सरपंच के लिए पत्र

दिनांक : ....
सरपंच जी : ....
गाँव : ....
ब्लॉक : ....
ज़िला : ....

अधिक जानकारी के लिए :
हमारी वेबसाइट www.asercentre.org देखें
असर सेन्टर, B4/58, सफदरजंग एनक्लेव,
नई दिल्ली 110029
फोन नं. : 011-46023612, 011-26716084
ई-मेल : contact@asercentre.org

नमस्कार!

हम असर 2022 सर्वेक्षण करने के लिए आपके सहयोग का निवेदन कर रहे हैं। असर का अर्थ है 'ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट'। यह भारत में हर साल राष्ट्रीय स्तर पर नागरिकों द्वारा घरों में किया जाने वाला सर्वेक्षण है जो यह पता लगाता है कि क्या ग्रामीण भारत में बच्चे विद्यालय में नामांकित है और क्या वे सीख रहे हैं। असर की शुरुआत 2005 में प्रथम संस्था के नेतृत्व में की गई थी। तब से 2014 तक यह सर्वेक्षण हर वर्ष, और उसके बाद 2018 तक हर दूसरे वर्ष किया गया है। 2020 और 2021 में लंबे समय तक COVID-19 महामारी के चलते स्कूल बंद रहे। स्कूल खुलने के बाद असर 2022 बच्चों के सीखने के स्तर को जानने के लिए महत्वपूर्ण होगा। असर के निष्कर्षों को मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित किया जाता है और राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर इसकी चर्चा की जाती है।

असर सर्वेक्षण के लिए भारत के हर ग्रामीण ज़िले में रैंडम रूप से 30 गाँवों का चयन किया जाता है। इस वर्ष आपका गाँव इन 30 चयनित गाँवों में से एक हैं। असर सर्वेक्षण हर ज़िले में एक स्थानीय संस्था की भागीदारी से किया जाता है। इन संस्थाओं के स्वयंसेवकों को असर करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ऐसे ही दो स्वयंसेवक आपके गाँव और विद्यालय में आज असर सर्वेक्षण करेंगे। उन्हें आपसे **गाँव के बारे में कुछ बुनियादी जानकारी** चाहिए होगी।

आपके गाँव में यह सर्वेक्षक **रैंडम रूप से बच्चों वाले 20 घरों** का चयन एक विशिष्ट प्रक्रिया से करेंगे जिसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया है। वे हर चयनित घर में **3-16 आयु वर्ग के सभी बच्चों की नामांकन की जानकारी एकत्रित करेंगे। फिर वे 5-16 आयु वर्ग के सभी बच्चों को पढ़ने, गणित और अंग्रेजी के कुछ कार्य देंगे।** साथ ही, वे गाँव में एक सरकारी विद्यालय में जाकर **नामांकन, उपस्थिति की बुनियादी जानकारी** और **विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की कुछ जानकारी** एकत्रित करेंगे।

हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप अपने गाँव में इस महत्वपूर्ण सर्वेक्षण को कराने में इन सर्वेक्षकों को सहयोग दें। साथ ही, हम आपको या गाँव के किसी अन्य सदस्य को हमारे साथ बच्चों का सर्वेक्षण करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

इस पत्र के साथ पढ़ने और गणित की जाँच सामग्री के सैम्पल संलग्न हैं, जिसका प्रयोग आप अपने गाँव के बच्चों के बुनियादी शिक्षण स्तरों की जाँच करने के लिए कर सकते हैं। इस पत्र के पीछे एक पोस्टर भी दिया गया है। आप इस पोस्टर को अपने कार्यालय के बाहर या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान जैसे कि पंचायत भवन में लगा सकते हैं जिससे कि गाँव के सभी लोग इसे देख सकें।

हम आपकी सहायता और सहयोग के लिए आभारी हैं। यदि आपके हमारे लिए कोई सुझाव हों, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर हमें लिखें या संपर्क करें।

धन्यवाद

डॉ. विलिमा वाधवा
कार्यक्रम निदेशक – असर
प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

राज्य में असर का पता :

ज़िले में असर की सहभागी संस्था का पता :

वेबसाइट के लिए स्कैन करें :

क्या बच्चे पढ़ सकते हैं?
क्या बच्चे गणित के बुनियादी प्रश्न हल कर सकते हैं?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2022 RURAL
Facilitated by PRATHAM

सैम्पल

असर के बुनियादी पढ़ने की जाँच सामग्री: हिन्दी

यह बुनियादी पढ़ने की जाँच का एक सैम्पल है।

कक्षा II स्तर का पाठ

अमन के पिताजी दुकान चलाते थे। दिन भर सब ठीक रहता था। रात को चूहे बहुत परेशान करते थे। अमन ने चूहों को भगाने का एक तरीका सोचा। वह एक बड़ी बिल्ली ले आया। बिल्ली के डर से चूहे अब दुकान में नहीं आते हैं। पिताजी अमन से बहुत खुश हुए। वह अब आराम से दुकान चलाते हैं।

नोट: यह पाठ भारत में सारी कक्षा I + II की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण करके तैयार किया गया है।

पढ़ने की जाँच की सामग्री सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। www.asercentre.org देखें, ई-मेल: contact@asercentre.org

कक्षा I स्तर का पाठ

राजू के पास एक गाय है।
वह हरी घास खाती है।
वह बहुत दूध देती है।
दूध से दही बनता है।

अक्षर

म र ध
ह ट
ड ब न
क ज

सामान्य आसान शब्द

नाक चूहा
खेत
मोर पीला
खुश
भैया रोटी

अक्षर/शब्द के लिए: बच्चे से कोई 5 पढ़ने को कहें, कम से कम 4 सही होने चाहिये।

सैम्पल

असर के बुनियादी गणित की जाँच सामग्री

यह बुनियादी गणित की जाँच का एक सैम्पल है।

अंक पहचान 1–9		संख्या पहचान 11–99		घटाव (दो अंकों का हासिल के साथ)		भाग (3 अंकों का 1 अंक से)
1	4	96	15	82 − 64	51 − 28	8)994
7	3	24	61	37 − 18	66 − 28	6)758
6	9	74	46	73 − 57	42 − 17	7)863
5	2	39	89	98 − 79	75 − 58	4)551
		52	27			
बच्चे को कोई भी 5 अंक पहचानने को कहें। कम से कम 4 सही होने चाहिये।		बच्चे को कोई भी 5 संख्या पहचानने को कहें। कम से कम 4 सही होनी चाहिये।		बच्चे से कोई भी 2 घटाव के सवाल करने को कहें। दोनों ही सही होने चाहिये।		बच्चे से कोई भी 1 भाग का सवाल करने को कहें। यह सही होना चाहिये।

नोट: अधिकतम भारतीय राज्यों में, कक्षा II के बच्चे से इस प्रकार के घटाव के सवाल को हल करने कि अपेक्षा की जाती है।

नोट: अधिकतम भारतीय राज्यों में, कक्षा IV के बच्चे से इस प्रकार के भाग के सवाल को हल करने कि अपेक्षा की जाती है।

इस सैम्पल टूल को दीवार पर लगाएँ या इसका उपयोग बच्चों के साथ करें।

क्या बच्चे पढ़ सकते हैं?
क्या वे गणित के बुनियादी प्रश्न हल कर सकते हैं?
क्या स्कूल बंदी का बच्चों के नामांकन और शिक्षा पर कोई प्रभाव पड़ा?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2022 RURAL
Facilitated by PRATHAM

ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) क्या है?

ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट, या असर, नागरिकों द्वारा घरों में किया जाने वाला वार्षिक सर्वेक्षण है जो यह पता लगाता है कि क्या ग्रामीण भारत के बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं और क्या वे सीख रहे हैं। 2005 से 2014 तक प्रत्येक वर्ष, और फिर 2018 तक हर दूसरे वर्ष, पूरे देश में लार्ज-स्केल असर सर्वेक्षण संचालित किया गया। इस सर्वेक्षण ने ग्रामीण भारत के 3-16 वर्षीय बच्चों की स्कूली शिक्षा की स्थिति और 5-16 वर्षीय बच्चों की बुनियादी पढ़ने और गणित की स्थिति पर राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर निरूपक आँकड़े प्रस्तुत किए हैं। असर सर्वेक्षण देश-भर के 500 से अधिक संस्थाओं के 30,000 से अधिक स्वयंसेवकों द्वारा किया जाता है। अपने ज़िले में असर के साथ जुड़कर लोग एक व्यापक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रयास में सहयोग देते हैं।

2018 में किया गया आखिरी राष्ट्र-स्तरीय असर सर्वेक्षण लगभग 600 ज़िलों के 17,000 से अधिक गाँवों में 5 लाख से ज़्यादा बच्चों तक पहुँचने में समर्थ रहा। COVID-19 महामारी के चलते 2020 और 2021 में फ़ील्ड में जाना संभव नहीं था। इसी कारण असर के वैकल्पिक वर्ष के प्लान की जगह इन दो वर्षों में फ़ोन-आधारित सर्वेक्षण किए गए जिनमें स्कूल बंदी के दौरान बच्चों तक सीखने के अवसरों और साधनों की पहुँच को जाँचा गया। इस दौरान कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में तीन राज्य-स्तरीय फ़ील्ड सर्वेक्षण भी संचालित किए गए।

असर 2022 में COVID-19 महामारी के बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी फ़ील्ड कार्यों को फिर से शुरू किया जा रहा है। इस असर और पिछले वर्षों के असर की तुलना से, COVID-19 महामारी का बच्चों की स्कूली शिक्षा और सीखने की स्थिति पर प्रभाव स्पष्ट रूप से सामने आएगा।

असर 2022 क्यों किया जा रहा है?

असर 2005 में अपनी स्थापना के बाद से उच्च नामांकन लेकिन ख़राब सीखने के स्तर की समस्या को उजागर करता आ रहा है। COVID-19 महामारी से बहुत पहले, 2018 में भी, असर के परिणामों से पता चला था कि भारत में बच्चों की बुनियादी शिक्षा का स्तर अपेक्षा से बहुत कम है :

- कक्षा 3 में, 4 में से केवल 1 बच्चा 'ग्रेड लेवल' पर था, यानी कि कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पा रहा था या दो अंक वाले घटाव के सवाल हल कर पा रहा था।
- प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 8वी) पूरी कर रहे बच्चों में से 4 में से 1 बच्चा कक्षा 2 स्तर की कहानी नहीं पढ़ पा रहा था।

COVID-19 महामारी के दौरान दुनिया भर में स्कूल बंद होने के कारण बच्चों की स्कूली शिक्षा और सीखने में भारी गिरावट आई है। भारत में पूरी दुनिया के मुकाबले सबसे लंबे समय तक स्कूल बंद रहे। इसका प्रभाव असर के 3 राज्य-स्तरीय सर्वेक्षणों में सीखने के स्तर में गिरावट के रूप में सामने आता है।

अब देश-भर में स्कूल खुलने के साथ, सभी ज़िलों, राज्यों और देश के लिए बच्चों के नामांकन और सीखने के स्तर पर साक्ष्य एक महत्वपूर्ण इनपुट है। यह साक्ष्य हमें समझने में मदद करेंगे कि बच्चे किस स्तर पर हैं और उन्हें किस तरह की मदद की आवश्यकता है ताकि इसके लिए सही योजना बनाई जा सके। असर 2022 यह साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए पूरे भारत के गाँवों में लौट रहा है।

असर का क्या असर हुआ है?

असर के निष्कर्षों को मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित किया जाता है, और इसकी राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर चर्चा की जाती है। असर के मूल संदेश – 'बच्चे स्कूल में हैं, लेकिन सीख नहीं रहे हैं' – ने भारत के नीति निर्माताओं का ध्यान नामांकन से सीखने की ओर लाया है। यह बदलाव 2017 में शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE ऐक्ट) के संशोधन के रूप में नज़र आया है, जिसने राज्यों के लिए बच्चों के सीखने के प्रतिफल का आकलन करना अनिवार्य बना दिया। हाल ही में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) ने बुनियादी शिक्षा पर ज़ोर देते हुए यह लक्ष्य तय किया है कि कक्षा 3 तक सभी छात्रों को बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान (FLN) के कौशल प्राप्त हो जाने चाहिए।

कई वर्षों से संसद में पूछे जाने वाले प्रश्नों में असर के आँकड़ों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है। दिसंबर 2021 में असर डाटा पर पूछे गए प्रश्न को मिलाकर, संसद में असर डाटा पर पूछे गए प्रश्नों की संख्या 100 हो गई है। असर के निष्कर्षों का उल्लेख नीति आयोग के तीन-वर्षीय एक्शन-प्लान (2017-2020) में किया गया है, और साथ ही नियमित रूप से भारत के आर्थिक समीक्षा के रिपोर्ट में भी किया जाता है।

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी अपनी रिपोर्ट में असर के आँकड़ों का उपयोग किया है। यूनेस्को, यूनिसेफ और वर्ल्ड बैंक द्वारा प्रकाशित 2021 की रिपोर्ट, 'द स्टेट ऑफ द ग्लोबल एजुकेशन क्राइसिस' ने 2021 के असर कर्नाटक फ़ील्ड सर्वेक्षण के निष्कर्षों का उपयोग किया है। वर्ल्ड बैंक द्वारा 2018 में शिक्षा पर तैयार की गई 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट' भी असर का व्यापक रूप से उल्लेख करती है।

अधिक जानकारी के लिए : हमारी वेबसाइट www.asercentre.org देखें
असर सेन्टर, B4 / 58, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली 110029
फोन नं० : 011-46023612, 011-26716084 | ई-मेल : contact@asercentre.org

क्या प्रत्येक बच्चे को पढ़ना और बुनियादी गणित हल करना आता है?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2022 RURAL
Facilitated by PRATHAM

गाँव के लोगों को बच्चों के विद्यालय जाने और सीखने के महत्व के बारे में बताएँ।

अभिभावकों को यह समझने में सहायता करें कि क्या उनके बच्चे पढ़ सकते हैं और गणित कर सकते हैं।

गाँव में बच्चों के पढ़ने और गणित के शिक्षण स्तर को असर टूल से जाँचें।

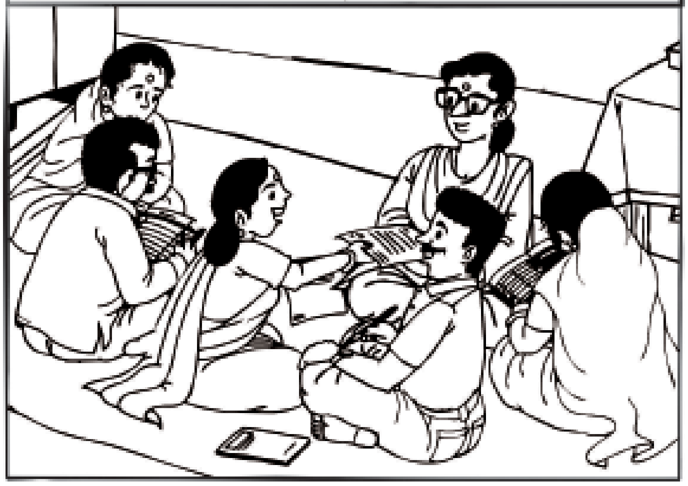

जाँच के परिणाम पर बातचीत करें और सुधार लाने के समाधान खोजें।

गाँव में पढ़ाई के स्तर में सुधार लाने के लिए कुछ उपाय

कमज़ोर बच्चों पर अधिक ध्यान व समय दें।

ऐसे व्यक्ति को ढूंढे जो उन बच्चों को अतिरिक्त समय दे सके जिन्हें अधिक सहायता की ज़रूरत है।

पढ़ाई के समय बच्चों के साथ बैठें। समय-समय पर अध्यापक से मिलकर बच्चे की शैक्षिक प्रगति की जानकारी लें।